प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर | By Malti Bhargav |

प्रेम के भूखे हैं भगवान
प्रेम ही एक तार है
प्रेम से प्रभु को भजो तो
भाव से बेड़ा पार है

प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा
अपना मान भले टल जाए
भक्त मान नहीं टलते देखा
प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा

जिनकी केवल कृपा शक्ति से
सकल सृष्टि को पलते देखा
उनको गोकुल के भाव रथ पर
सौ-सौ बार मचलते देखा
प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा

जिनके चरण कमल कमला के
कर तल तेनन निकलते देखा
उनको ब्रज बीहड़ कुंजों में
कंटक पथ पर चलते देखा
प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा

जिनका ध्यान बिरंचि शंभु तल
काटत तेनक मलते देखा
उनको ग्वाल काथा मल में
लेकर ज्ञान उछलते देखा
प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा

जिनकी भयंकर भ्रकुटि के भय से
सागर तट उफालते देखा
उनको ही आसर के भय से
अष्ट बिंदु दृग ढलते देखा
प्रबल प्रेम के पाले पड़ कर
प्रभु को नियम बदलते देखा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%b2-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%95%e0%a4%b0-by/